

के जी ने गलत क्या कहा ?

है और अभिव्यक्ति के लिए शब्दों का संस्कार बहुत आवश्यक शर्त है। हिंदी के शब्दकोश में लाख से ज्यादा शब्द हैं, देश का कोई हिंदी पत्रकार इन सभी शब्दों से भिज्ञ नहीं हो सकता किन्तु जो पत्रकार हिंदी साहित्य के आदि साहित्यकारों के साथ ही वर्तमान काल के साहित्यकारों को पढ़-लिख चुका होगा उसे पता है कि

तरीके हो सकते हैं।
विचारधारा की वजह से हानि-
लाभ होते हैं, आगे भी होंगे और
अतीत में भी हुए हैं। कम से कम
मुझे तो अपनी विचारधारा की
वजह से बहुत कुछ खोना पड़ा
मुझे इस खोने पर क्षोभ नहीं गर्व
होता है। मुझे जो मिला वो भी मेरी
विचारधारा के लोगों ने नहीं दिया
मुझे जो दिया है मेरी भाषा और



किस शब्द की मार और धार कैसी है ? मैं चार दशक से अधिक समय तक कलम व्याख्यान के बाद अपने आपको अपूर्ण पाता हूँ क्योंकि मुझे हिंदी की व्याकरण का अनुशासन नहीं आता । मैं 'व' और 'ब' का 'श' और 'स' का सही प्रयोग नहीं कर पाता । इसके बावजूद मुझे इस बात का अभिमान भी है कि मुझे हिंदी साहित्य के संस्कार ने दिया है । एक बार की बात है अपने जमाने के प्रसिद्ध साहित्यकार क्षेमचन्द्र सुमन हमारे दफ्तर आये । उन्होंने बैठे-बैठे हमारे अखबार के एक पृष्ठ का पूरा प्रूफ पढ़ डाला और एक पेज में दो हजार गलतियां निकाल दीं हम लज्जित भी हुए किन्तु हमारे संपादक काशीनाथ चतुर्वेदी ने तक दिया कि - 'सुमन

साहित्य से गुजरने का गंभीर अनुभव है। मुझे हिंदी की लोकोक्तियों, मुहावरों, कहावतों, अलंकारों और रसों का समुचित ज्ञान है जो मेरी पत्रकारिता को भी एक अलग पहचान देता है। एक सपाट भाषा सहजता के नाम पर परोसी तो जा सकती है किन्तु उसके जरिये आप किसी को यानि अपने पाठक को शिक्षित नहीं कर सकते। आप अपने पाठक के साथ धोखा करते हैं। कुछ साथी तर्क देते हैं कि पत्रकारिता भाषा का संस्कार देने का यंत्र नहीं है। मुमकिन है कि वे अपनी जगह सही हों किन्तु उसात् अपने में से कोई भी शास्त्री

व्यापक अथा में दख तो भाषा का प्रारम्भिक संस्कार हमारे यहां स्कूल के साथ ही अखबारों और पत्रिकाओं से हासिल किया जाता है। अब तो भाषा को बिगड़ने के एक से अधिक माध्यम हमारे पास हैं। ऐसे में केजी सुरेश की चिंताओं को समझा जाना चाहिए। सुरेश की चिंता को सिर्फ इसलिए खारिज नहीं किया जा सकता कि वे संघी मानसिकता के हैं। होंगे, रहने दीजिये लेकिन संघी अस्पृश्य तो नहीं होता? संघी भी भाषा की फिक्र करने का उतना ही अधिकारी है जितना कि कोई प्रगतिशील वामपंथी या कांग्रेसी मानसिकता का व्यक्ति केजी सुरेश या दिलोला या देवी या दैवी या

@ राकेश अचल

विश्व हृदय दिवस

विश्व हृदय दिवस प्रत्येक वर्ष '29 सितम्बर' को मनाया जाता है। अव्यवस्थित जीवन शैली और असंतुलित खानपान के चलते दुनिया भर में हृदय रोग के पीड़ितों की संख्या तेजीसे बढ़ी है। भागती-दौड़ती जिंदगी में लोगों को अपने स्वास्थ्य की ओर ध्यान देने का मौका नहीं मिलता, जिसका उन्हें भारी खामियाजा चुकाना पड़ता है। हृदय रोग विशेषज्ञों के अनुसार दिल की बीमारी किसी भी उम्र में किसी को भी हो सकती है, इसके लिए कोई निर्धारित उम्र नहीं होती। महिलाओं में हृदय रोग की संभावनाएं ज्यादा होती हैं, बावजूद इसके वे इस बीमारी के जोखियों को नजरअंदाजकर देती हैं। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में एक दिल ही है, जिस पर सबसे अधिक बोझ पड़ता है। तनाव, थकान, प्रतूषण आदि कई वजहों से रक्त का आदान-प्रदान करने वाले इस अति महत्वपूर्ण अंग को अपना काम करने में मुश्किल होती है, इसीलिए 'विश्व हृदय दिवस' लोगों में यह भावना जागृत करता है कि वे हृदय की बीमारियों के सहायता करते हैं।

संगठन 'वर्ल्ड हार्ट फेडरेशन' हर साल 'विश्व हृदय दिवस' मनाता है [1] बढ़ते हृदय रोगों की संख्या और पीड़ितों की वजह से ही संयुक्त राष्ट्र ने साल 2000 से हर साल 29 सितंबर को 'विश्व हृदय दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय लिया। साल 2009 और 2010 में संयुक्त राष्ट्र ने 'विश्व हृदय दिवस' की थीम 'ऑफिस में हृदय स्वास्थ्य' थी और इस साल इसकी थीम है 'वन वर्ल्ड, वन होम, वन हार्ट' यानि 'एक संसार, एक घर और एक दिल', जिसके द्वारा संयुक्त राष्ट्र हर व्यक्ति को अपने हृदय के प्रति जागरूक बनाना चाहता है।

1

शुरूआत
दुनिया भर में हर साल होने वाली 29 प्रतिशत मौतों की एक प्रमुख वजह हृदय की बीमारियां और हृदयाधार हैं। हृदय की बीमारियों और दिल के दौरे से हर साल 1.71 करोड़ से ज्यादा लोगों की मौत हो जाती है। आम लोगों को इन बीमारियों व दिल के स्वास्थ्य का खास खाल रखने के प्रति जागरूक करने के मकसद से वर्ष 2000 में 'विश्व हृदय दिवस' मनाने की शुरूआत की गई। अब तक सितम्बर के अंतिम रविवार को 'विश्व हृदय दिवस' मनाया जाता रहा था, लेकिन 2014 से इसे 29 सितम्बर के दिन ही मनाया जाएगा। 'विश्व स्वास्थ्य संगठन' (डल्यूएचओ) की भागीदारी से स्वयंसेवी

की भागीदारी वाली जीवन शैली में लोगों में तनाव कुछ ज्यादा ही बढ़ गया है। इसलिए इस बीमारी से पूरी तरह बचना तो मुश्किल है, लेकिन जहां संभव हो, इससे दूरी बनाए रखनी चाहिए।

आतंकवाद की अंधी गलियां,

پاکستان کے باہر اب کنیڈا آرتکٹوگرافیوں کی بڑی مددی ।

आईए एक विश्लेषण करते हैं जिसमें आतंकवाद का मनोविज्ञान क्या है औं उसके क्यों तेजी से अपना सर उठा रहा है औं आतंकवाद एक मानसिक विकृति का विचारधारा है, जिसके द्वारा हिंसवाद कार्यों और गतिविधियों से जनमानस की अशांति और भय की स्थापना करवें। अपने लक्ष्य की प्राप्ति का प्रयास करना होता है। जिससे किसी भी क्षेत्र में आधिपत्य का अधिकार प्राप्त करने वें लिए हिंसा और आतंक का सहारा लेकर जनमानस में अशांति बढ़ावातावरण निर्मित करने अपने मसूबे पूर्ण कर आर्थिक सामाजिक और राजनीतिक विध्वंस का तांडव मचाना होता है। कुछ व्यक्तियों के समूह द्वारा संचालित मानसिक विश्लेषणों की तैयारी की जाती है।

कर हिंसक रूप अपनाए हुए हैं। आतंकवाद केवल भारत में न होकर उसका साम्राज्य वैश्विक स्तर पर भी दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से फैला हुआ है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकवाद ने अनेक घटनाओं को जन्म देकर विश्व शांति सद्बावना की मूल कल्पना को छिन्न-भिन्न करने का प्रयास किया है। दुनिया के प्रत्येक देश में आतंकवाद किसी न किसी रूप में आज मौजूद है। आतंकवाद कहीं रंगभेद, कहीं भाषा विभेद, कहीं राजनीतिक विचारधाराओं में विरोध और कहीं रंगभेद के कारण, नस्ली समस्या आतंकवाद का कारण बनी है। यह समस्याएं हथियारों से सुलझाने के प्रयास में अत्यंत हिंसक बन चुकी हैं।

इमारत, रेलवे स्टेशन, वायुयान और कौन सा धार्मिक स्थल होगा' वैश्विक स्तर पर आतंकवाद के खिलाफ अस-रक्षा की भावना पूरी तरह व्याप्त हो चुकी है' आतंकवाद का सबसे विस्तृत और भयानक रूप अफगानिस्तान में सरकार का तख्तापलट का ही है' वहां तालिबानी आतंकवादियों द्वारा सरकार को गिरा कर अफगानिस्तान देश पर जाकर वहां शासन स्थापित कर लिया था, और पूरी दुनिया तमाशबीन बनी रही। रूस यूक्रेन युद्ध में भी लाखों लोगों की आक्रमण कर हिंसक हत्या तानाश-ही तथा मानसिक आतंकवाद का ही एक भयानक रूप है। पूरे विश्व में आतंकवाद के खिलाफ भारत सहित अमेरिका चीन इत्यादि देशों ने अपनी विश्वासीता का अपनाया है।

का खुफया एजसा के बड़ प्रात्साहन से खालिस्तानी आतंकवादी अब कनाडा को अपना केंद्र बन चुके हैं पाकिस्तान खालिस्तानी आतंकवादियों को भारत के विरोध में टेर फंडिंग भी करता है और आवश्यक सलाह मशवरा देकर ट्रेनिंग देने का काम भी करता आया है, उन्हें कनाडा सरकार का खुला समर्थन प्राप्त है। कनाडा में रहकर खालिस्तानी आतंकवादी पंजाब और पूरे भारत में आतंकी गतिविधियों को संचालित करते आ रहे हैं, ऐसे में कनाडा का भी वही हश्श होना है जो पाकिस्तान का हुआ है। कनाडा के प्राइम मिनिस्टर जस्टिन ट्रुट्रो आतंकवाद की राह पर आगे निकल चुके हैं। आतंकवादी खालिस्तानी उग्रवादियों को अपने पिता की तरह गलती की पुनरावृत्ति कर कनाडा के वर्तमान प्रधानमंत्री खुला समर्थन दे रहे हैं। भारत पर एक कुख्यात आतंकवादी निज्जर की की कनाडा में घुसकर हत्या का बेबुनियादी और प्रमाण विहीन आरोप लगाकर कनाडा के प्रधानमंत्री और उनका देश विश्व में अलग-अलग पड़ चुके हैं। उनकी अपनी संसद में उनका खुलकर विरोध किया जा रहा है। कनाडा के प्रधानमंत्री को अपने इस बयान पर किसी भी देश का समर्थन प्राप्त नहीं है। भारत के विदेश मंत्री एस, जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र संघ की जनरल असेंबली के मंच से कनाडा को खरी खोटी सुनाई भी है यह तय बात है कि भारत का उस हत्या से कोई लेना-देना नहीं है। कनाडा अब पाकिस्तान की तरह विश्व मंच पर अकेला पड़ गया है।

विराधा गतिवादिया हा हा जा कि समाज के विरुद्ध लूट, अपहरण, बरिस्फोट, हत्या जैसे जघन्य अपराधों का जन्म देती है। आतंकवाद मूलतः धार्मिक, राजनीतिक, सामाजिक परिवेशों द्वारा हुए होता है। भारत में आतंकवाद धार्मिक और राजनीतिक ज्यादा परिलक्षित हुआ है। भारत में कश्मीर, लद्दाख, असम और मणिपुर में विभिन्न अलगाववादी समूह द्वारा हिंसक अपराधिक कृत्य कर लोगों को भयभीत करता है। पलायन करने पर मजबूर करने का कृत्य राजनीतिक आतंकवाद ही है। अलकायदा, लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठन धार्मिक कट्टरपक्षी की भावना से अपराध को अंजाम देते हैं। देश में नक्सलवाद ने छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, झारखण्ड, बिहार और पश्चिम बंगाल में अपना मौत का परचम फेहरा के रखा है। नक्सलवाद मूलतः सामाजिक क्रांतिकारी समूह द्वारा सरकार के विरोध में आमजन तथा आदिवासियों के मध्य अपनी समानांतर सरकार चलाने हेतु हिंसक घटनाएं की हैं। यह आतंकवाद ग्रुप हिंसा के द्वारा अलग अलग तरीके से आतंकवाद फैलाने का प्रयास करते हैं, यह ज्यादातर भीड़भाड़ वाले इलाकों में जैसे रेलवे स्टेशन बस स्टैंड रेल रेलवे पटरियों वायुयानों का अपहरण निर्देश देते हैं, लोगों को बंदी बनाना बैंक में डकैतियां कर समाज में अराजकता तथा वैमनस्यता फैलाने का काम करते हैं। भारत में नक्सलवाद तो मूल रूप पश्चिम बंगाल के नक्सल वाली क्षेत्र ने पनपा है, जो पूरे भारत में धीरे-धीरे फैला रखा है।

10 of 10

मूलाख्याओं का शास्त्र कहना पुण्यकर्म

दैनिक समाज जागरण

लाख प्रयास भी किया पर असफल ही रहे। उसके निरंतर कठोर तप से आखिर ब्राह्मजी उसके सामने पहुंचे और कहने लगे- तुम्हारी तपस्या फलीभूत हुई..देखो मैं तबां जापिया बाद तात्परी प्राप्तेकामा रखना उलटे ब्रह्मा को ही दान देने का सहास उसे पुण्यात्माओं में श्रेष्ठ बना गया था। यही कारण था कि ब्रह्मा भी हैरान हो गये। उन्होंने तब सृष्टि के पालनकर्ता विष्णु को प्रवापा। विष्णु जब आपा दो उर्ध्वे ज्ञायें पर कुछ तिथियां भी नियत हैं जैसे सप्तमी और अष्टमी के दिन घर के पुरुष मृतात्माओं के आने का दिन माना गया है। नवमी के दिन छोटी बड़ी स्त्री आत्माओं का आगमन दोता है। चौथांश्च दिव्यि त्वे वन्नमें कंतायें

पितृपक्ष आश्विन कृष्ण प्रतिपदा से प्रारंभ होकर अमावस्या को संपन्न होता है। इसमें मृत पूर्वजों का आव्हान कर श्राद्ध कर्म किया जाता है। श्राद्ध करने का अधिकार ज्येष्ठ पुत्र या छोटे पुत्र व नाती को होता है। इस पक्ष में शारीरिक श्रृंगार अथवा तेल नहीं लगाया जाना चाहिए। श्राद्ध में ब्राह्मणों को भोजन कराकर दक्षिणा दी जाती है। श्राद्ध पक्ष में ऐसा माना जाता है कि कोई भी नया काम शुरू नहीं करना चाहिये नये परिधान या नवीन कोई भी कार्य नहीं किया जाता। ऐसा करना अशुभ व हानिकारक माना जाता है। वर्षी एकदम इसके उलट यह भी मान्यता है कि इस पक्ष के दौरान मृत्यु को प्राप्त करने वाले की आत्मा सीधे स्वर्ग आती है।

ब्राह्मजी उसके सामने पहुंचे और कहने लगे- तुम्हारी तपस्या फलीभूत हुई..देखों मैं स्वयं जंगतिया ब्रह्मा तुम्हारी मनोकामना पूर्ण करने यहां आया हूं। परंतु ब्रह्मा की बातों का उस पर तनिक भी असर नहीं हुआ। वह बड़े शांत भाव से बोला- प्रभु आप मेरे पास यहां आये, इसके लिये आपका आभारी हूं, आगे उसने कहा- प्रभु मैं कुछ पाने के लिये तप नहीं कर रहा हूं मैं स्वयं को पवित्र बनाना चाहता हूं। हां, यदि आप मुझसे कुछ चाहें, तो मुझे वह आपको प्रदान करने में गहरा आत्म संतोष प्राप्त होगा। उसकी बातों से ब्रह्मा भी चकित रह गये। कुछ मांगना छोड़ उलट देने की बात कह रहा है। तब ब्रह्मा ने कहा" वत्स तैं वाप-वाप नहीं आता तां जो-जातो गांग

यहां कारण था कि ब्रह्मा भी हैरान हो गये। उन्होंने तब सृष्टि के पालनकर्ता विष्णु को पुकारा। विष्णु जब आए तो उनके चरणों पर गयासुर गिर पड़ा। श्री विष्णु के दर्शन से वह निहाल हो गया। विष्णु ने उससे कहा- वत्स तुम्हारा तप पूर्ण हो गया। मांगो तुम जो चाहो, वह मैं तुम्हें दूंगा। उसने गद्गद्गद कंठ से कहा- "प्रभु मैंने सिर्फ पवित्रता की चाहत रखी है वही मुझे मिले।" विष्णु, भक्त के स्वरों से विक्लल हो गये। कहने लगे- गयासुर तुम परम पवित्र हो, पवित्रतम हो। मेरा वरदान है कि तुम्हारा शरीर जिस क्षेत्र में हैं, जहां तुमने तप किया है, वह भविष्य में तुम्हारे ही नाम से विख्यात होगा। जग इसे गयाधाम कहकर पुकारेगा। वहां जो भी जल आगे पितरों परम्परों का

के आने का दिन माना गया है। नवमी के दिन छोटी बड़ी स्त्री आत्माओं का आगमन होता है। चौदहवें तिथि को बच्चों कुंवारों आदि की आत्मा आती है।

पितृपक्ष के प्रथम दिन में पितरों के आगमन हेतु पूजा पाठ कर उनकी आत्मा की संतुष्टी हेतु एक स्वच्छ स्थान पर उनके मनपसंद पकवान रखे जाने प्रारंभ कर दिये जाते हैं। प्रतीक स्वरूप पशुपक्षियों को भी खिलाये जाते हैं, उनके खा लेने पर आत्माओं ने भोग स्वीकार कर लिया माना जाता है कहा गया है कि पितृपक्ष के दौरान घर अनाज आदि से भरापूरा रहना चाहिये, जिससे बरककत होती है ऐसा नहीं होने पर आने वाली ग्रातांकां कमित दोती है। पातृत्वे द्वि-

वहाँ जा ना जो जन्म प्राप्ति तुरखा का श्राद्ध करेंगे, वे पितर, मृतात्माएं तुम्हारे पवित्रता के अंश से पवित्र हो जायेंगी, और उन्हें मुक्ति मिलेगी। बस तभी से यह मान्यता चली आ रही है कि पितरों का गया में जाकर श्राद्ध करने से उनकी आत्मायें मोक्ष को प्राप्त हो जाती हैं। इसी कारण वहाँ एक बार श्राद्ध कर्म करने के बाद दुबारा श्राद्ध करने की आवश्यकता नहीं होती है।

"अच्छा तुम मुझे देना ही चाहते हो तो अपनी वह विशाल देह मुझे दे दो। मैं तुम्हारे शरीर पर यज्ञ करना चाहता हूँ। यह सुन उसने अपने शरीर को तत्क्षण ही ब्रह्मा को दान कर दिया। ब्रह्माजी उसके शरीर पर वर्षों यज्ञ संपन्न करते रहे, परंतु वह अविचल मृत्यु से दूर था। आखिर इन्हे कठोर तप के बाद भी कुछ इच्छा नहीं

पितृपक्ष आने के पूर्व घर की साफ सफाई लिपाई पुताई की जाती है। कहा जाता है कि पितृपक्ष के पूरे पन्द्रह दिनों के दौरान पूर्वजन मृतकों की आत्माएं अलग-अलग दिनों में पहुँचती हैं। जिसकी मृत्यु जिस तिथि को हुई होती है उसका श्राद्ध उसी तिथि करते हैं। वे उसी तिथि को पहुँचते हैं

तर्जनी ऊँगली कुशा लेकर अपने पितरों का नामोच्चार करते हुये उन्हें जल अर्पित करते जाते हैं। इसके पश्चात चंदन, हल्दी, रोली, फूल फल एवं उनके मनपसंद पकवानों के साथ चावल उड़द दाल, तिल, गुड़ शक्कर चढ़ाते हैं फिर अग्नि देकर धूप करते हैं। इस प्रकार पूजा विधि संपन्न होती है।

-सुरेश सिंह बैस "शाश्वत"

अगस्त में परिवहन निगम को हुई एक अद्य से अधिक की आय

यात्रियों की सुविधाओं पर भी योगी सरकार की नजर

लखनऊ, 28 सितंबर: योगी सरकार एक तरफ जहां यात्रियों की सुविधायांकों को लेकर पूरी तरह संजीदा है, वहां परिवहन निगम की विशेष सुविधाओं पर भी नजर रखता है। यूपीएसआरटीसी द्वारा प्रदेश के विभिन्न जनपदों और ग्रामीण क्षेत्रों के अलावा 8 राज्यों एवं बीच अंतर्राज्यीय व अंतरराज्यीय बस सेवा का संचालन भी किया जाता है। इसमें दिल्ली, उत्तराखण्ड, राजस्थान, हरियाणा, मध्य प्रदेश, बिहार, चंडीगढ़, पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं नेपाल समिल है। कुल 2326 बसों का संचालन किया जाता है। इन बसों के संचालन से उत्तर प्रदेश परिवहन निगम को अगस्त 2023 में 1 अरब दो करोड़ 38 लाख 78 हजार 430 रुपये की आय को हुई है।

यात्रियों की सुविधा पर पूरा ध्यान

योगी सरकार के परिवहन राज्यमंत्री (स्टर्टप्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि प्रदेश में अन्य राज्यों से यात्री धार्मिक एवं व्यक्तिगत कार्यों से आते रहते हैं। साथ ही प्रदेश में निवासी भी अन्य राज्यों में धार्मिक एवं व्यक्तिगत कार्यों से आते रहते हैं। अपने देश एवं प्रदेश के यात्रियों को सुविधा उपलब्ध कराने के लिए उत्तर प्रदेश परिवहन निगम द्वारा प्रदेश के अंदर और प्रदेश से लगे राज्यों के मध्य बसों का संचालन किया जाता है, जिससे यात्रियों को आवागमन में असुविधा न हो। इन राज्यों के साथ उत्तर प्रदेश परिवहन निगम का अनुबंध है।

प्रमुख धार्मिक स्थलों के लिए राजधानी से जल्द चलेंगी कई अन्य बसें परिवहन मंत्री के मुताबिक उत्तर प्रदेश परिवहन निगम द्वारा प्रदेश की सीमा से लगे अन्य राज्यों के धार्मिक स्थलों को जोड़ने के लिए बसें के संचालन के क्षेत्र में कार्य तेजी से चल रहा है। जल्द ही प्रमुख धार्मिक स्थलों के लिए राजधानी से बस सेवाएं संचालित की जाएंगी। साथ ही प्रदेश के महत्वपूर्ण स्थलों को भी प्रदेश की सीमा से लगे अन्य राज्यों के साथ जोड़ा जाएगा, जिससे कि लोग इन धार्मिक स्थलों एवं पर्यटन स्थलों पर जाकर वहां धार्मिक व व्यक्तिगत कार्यों के साथ ही पर्यटन का भी लुफ्त उठा सकें।

आकर्षक ऑफर, मात्र 300 में लगावाएं विज्ञापन

समाज जागरण के दुसरे वर्षगांठ पर आप सभी के लिए आकर्षक ऑफर है। मात्र 300 रुपये में तीन एडिशन में लगावाएं विज्ञापन। 200 रुपये में समाज जागरण पोर्टल पर। 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक साइज 3x5 Cm

योगी स्टार्कार की एक और उपलब्धि, यूपी के 100% गांवों को गिला ओडीएफ प्लास का दर्जा

स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत 100% ओडीएफ प्लास कवरेज हासिल कर पेश की स्वच्छता की मिसाल

95,767 गांवों ने ठोस/तरल अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियों के साथ खुद को ओडीएफ+ घोषित किया

पिछले 9 महीनों में 80,000 से अधिक गांवों ने ओडीएफ प्लास का दर्जा हासिल किया

राष्ट्रव्यापी 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के बीच हासिल हुई उपलब्धि, अकेले यूपी में 88 लाख लोगों ने जन आंदोलन और श्रमदान में लिया भाग

लखनऊ, 28 सितंबर: उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने राष्ट्रीय स्तर पर एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उत्तर प्रदेश ने स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के द्वारे चरण के तहत सभी 95,767 गांवों यानी 100% गांवों ने ओडीएफ प्लास का दर्जा प्राप्त कर लिया है। ओडीएफ प्लास गांवों में से 81,744 गांव ओडीएफ प्लास राजिंग गांव हैं, जिनमें ठोस अपशिष्ट प्रबंधन दोनों की व्यवस्था है और 3,806 गांव ओडीएफ प्लास मॉडल गांव हैं।

9 माह में 80 हजार गांव जुड़े

उत्तर प्रदेश ने मौजूदा वित्तीय वर्ष में तेजी से प्रगति की है। 1 जनवरी 2023 तक, राज्य में केवल 15,084 गांव थे जिनमें ओडीएफ प्लास घोषित किया गया था। केवल 9 महीने में, राज्य ने मिशन मोड में ओडीएफ प्लास हासिल करने के लिए प्रयास किए। पिछले 9 महीनों में 80,000 से अधिक गांवों ने ओडीएफ प्लास का दर्जा हासिल किया और इस त्वरित गति के परिणामस्वरूप ओडीएफ प्लास गांवों में से 81,744 गांव ओडीएफ प्लास राजिंग गांव हैं, जिनमें ठोस अपशिष्ट प्रबंधन दोनों की व्यवस्था है। 2023 से 2024-25 तक, देश भर में 4.4 लाख (75%) गांवों ने खुद को ओडीएफ प्लास घोषित कर दिया है, जो 2024-25 तक एसवीएस-जी चरण 2 के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

स्वच्छता ही सेवा से जुड़े 88 लाख लोग

100% की यह उपलब्धि पूरे देश में संचालित हो रहे स्वच्छता ही सेवा (एसएचएस) द्वारा 2023 अभियान के दौरान हासिल की गई है। एसएचएस प्रतिवर्ष स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), पेयजल एवं स्वच्छता ही सेवा विभाग, जल शक्ति मंत्रालय के तहत 15 सितंबर से 2 अक्टूबर तक, मनवा यात्रा की व्यवस्था है। इस वर्ष, अब तक, लगानी 88 लाख लोगों ने बड़े पैमाने पर इसमें हिस्सा लिया और श्रमदान किया है, जिससे ओडीएफ प्लास स्थिति की उपलब्धि में तेजी आई है।

ग्राम पंचायतों और सफाई कर्मियों का सम्मान

वाल कर्मियों पर होगी कठोर कार्रवाई लखनऊ, 28 सितंबर: संचारी रोगों के बीच सभी निकायों में दस्तक अभियान की बीच हांग संचालन प्रतिदिन संपन्न गतिविधियों की नगरीय निकाय निदेशालय के द्वारा 31 अक्टूबर के तहत विशेष सतरक्ता

बरती जाएगी। खास बात ये है कि इस पूरे अधियान की प्रतिदिन निगमनी और रिपोर्टिंग होगी तथा स्थितिनालय या लापारवाही बरती जाएगी। अक्टूबर तक प्रदेश भर में विशेष संचारी रोगों की विशेषता के अनुसार निकाय निदेशालय के द्वारा 31 अक्टूबर तक प्रदेश भर में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान (16 से 31 अक्टूबर) के तहत विशेष सतरक्ता

शहदोल सूची में शहदोल सांसद का नाम आ जाय तो नहीं होगी कोई अतिश्योक्ति है। सुन्दरी की माने तो शहदोल संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत शहदोल जिले की जयसिंहनगर या जैतपुर सीट से सांसद हमाद्री सिंह को प्रत्याशी बनाया जा सकता है। जिले की विधानसभा से वर्तमान समय पर जय सिंह नार से जयसिंहनगर, मरावी विधायक, जैतपुर विधानसभा से श्रीमती योगी विधायक हैं एवं व्यवहारी सीट से शरद कोल विधायक हैं यह तीनों विधानसभा सीट अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित है। शहदोल संचालन भी कामात्रा सीट कोमाटा अनारक्षित सीट है, और पहली सीट में आरक्षित योगी जनजाति को प्रत्याशी बनाया है। और पहली सीट कोमाटा अनारक्षित योगी जनजाति को प्रत्याशी बनाया है। जिसमें दिल्ली, उत्तराखण्ड, राजस्थान, हरियाणा, मध्य प्रदेश, बिहार, चंडीगढ़, पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं नेपाल समिल है। कुल 2326 बसों के संचालन से उत्तर प्रदेश परिवहन निगम को अगस्त 2023 में 1 अरब दो करोड़ 38 लाख 78 हजार 430 रुपये की आय को हुई है।

यात्रियों की सुविधाओं पर भी योगी सरकार की नजर

लखनऊ, 28 सितंबर: योगी सरकार एक तरफ जहां यात्रियों की सुविधायांकों को लेकर पूरी तरह संजीदा है, वहां परिवहन निगम की विशेष सुविधाओं पर भी नजर रखता है। यूपीएसआरटीसी द्वारा प्रदेश के विभिन्न जनपदों और ग्रामीण क्षेत्रों के अलावा 8 राज्यों एवं बीच अंतर्राज्यीय व अंतरराज्यीय बस सेवा का संचालन भी किया जाता है। इसमें दिल्ली, उत्तराखण्ड, राजस्थान, हरियाणा, मध्य प्रदेश, बिहार, चंडीगढ़, पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं नेपाल समिल है। कुल 2326 बसों के संचालन से उत्तर प्रदेश परिवहन निगम को अगस्त 2023 में 1 अरब दो करोड़ 38 लाख 78 हजार 430 रुपये की आय को हुई है।

यात्रियों की सुविधाओं पर भी योगी सरकार की नजर

लखनऊ, 28 सितंबर: योगी सरकार एक तरफ जहां यात्रियों की सुविधायांकों को लेकर पूरी तरह संजीदा है, वहां परिवहन निगम की विशेष सुविधाओं पर भी नजर रखता है। यूपीएसआरटीसी द्वारा प्रदेश के विभिन्न जनपदों और ग्रामीण क्षेत्रों के अलावा 8 राज्यों एवं बीच अंतर्राज्यीय व अंतरराज्यीय बस सेवा का संचालन भी किया जाता है। इसमें दिल्ली, उत्तराखण्ड, राजस्थान, हरियाणा, मध्य प्रदेश, बिहार, चंडीगढ़, पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं नेपाल समिल है। कुल 2326 बसों के संचालन से उत्तर प्रदेश परिवहन निगम को अगस्त 2023 में 1 अरब दो करोड़ 38 लाख 78 हजार 430 रुपये की आय को हुई है।

यात्रियों की सुविधाओं पर भी योगी सरकार की नजर

लखनऊ, 28 सितंबर: योगी सरकार एक तरफ जहां यात्रियों की सुविधायांकों को लेकर पूरी तरह संजीदा है, वहां परिवहन निगम की विशेष सुविधाओं पर भी नजर रखता है। यूपीएसआरटीसी द्वारा प्रदेश के विभिन्न जनपदों और ग्रामीण क्षेत्रों के अलावा 8 राज्यों एवं बीच अंतर्राज्यीय व अंतरराज्यीय बस सेवा का संचालन भी किया जाता है। इसमें दिल्ली, उत्तराखण्ड, राजस्थान, हरियाणा, मध्य प्रदेश, बिहार, चंडीगढ़, पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं नेपाल समिल है। कुल 2326 बसों के संचालन से उत्तर प्रदेश परिवहन निगम को अगस्त 2023 में 1 अरब दो करोड़ 38 लाख 78 हजार 430 रुपये की आय को हुई है।

यात्रियों की सुविधाओं पर भी योगी सरकार की नजर

झाड़ग्राम टूरिज्म तथा होमस्टे मालिकों के द्वारा कांकराझोर में विश्व पर्यटन दिवस मनाया गया

बीभूति भूषण भद्र समाज जागरण झाड़ग्राम

जिला संवाददाता

कांकराझोर, अमलासाल और अमरदाना के सैकड़ों छात्र छात्रों और ग्रामीणों के बीच बुधवार को विश्व पर्यटन दिवस में पर्यटन जगरूकता शिविर, झाड़ग्राम पर्यटन द्वारा आयोजित किया गया। होमस्टे मालिकों द्वारा समर्थित इस जगरूकता शिविर में मुख्य ध्यान उपरोक्त स्थानों को स्वच्छ और हरभरा करने के बाहे में ग्रामीणों को जगरूक करना है। झाड़ग्राम टूरिज्म के संस्थान सुमित दत्ता ने कहा की पंचायत प्रधान और भूलावेदा रेंज अधिकारी से इस क्षेत्र में बहुत सारे कूड़ेदान स्थानों पर्यटन करने तथा डॉफ्टेंटों के आदेश का सख्ती से पालन करने के बाहे में अनुरोध किया गया जिनमें अनुरोध के जंगल में प्रवेश न करने की बात कही गई। पर्यटकों को हाथियों की आवाजाही से अवगत कराने की बात कही गई। उक्त शिविर में छात्रों को उपचार वितरित किया गया। ग्रामीणों को कांकराझोर के फिल्म

पर्यटन यानी "चारमूर्ति" और झाड़ग्राम पर्यटन के थीम गीत मदल बाजे को बढ़ावा देने के लिए जगरूक किया गया। पर्यटन के माध्यम से झाड़ग्राम की अंतर्व्यवस्था, बेलपहाड़ी, विश्वजीत विश्वस,



को विकसित करने का प्रयास करने पर बल दिया गया। साथ ही हमने ग्रामीणों से प्रतिबद्धता जारी की है कि हम हमेशा उनके साथ हैं और ग्रामीण प्रकृति को बचाने और स्वच्छ एवं हरित बेलपहाड़ी के लिए भी प्रतिबद्ध हैं। लोक कलाकारों के पार्थ भौमिक ने कहा कि झाड़ग्राम की संस्कृति बहुत समृद्ध है, इत्यतिले हमें अपनी संस्कृति को बनाए रखना चाहिए। और पर्यटकों के बीच इसका प्रचार-

प्रभारी पदाधिकारी, बासपहाड़ी सौमेन सिन्हा महापात्र, प्रधान, बासपहाड़ी ग्राम पंचायत, ममता बाटो, प्रधान अध्यापक कांकराझोर एवं सकैनी विद्यालय दीनबंधु मंडल, पंचायत सदस्य परेश सुंदा, महल लोकगीत दल, कोलकाता के पार्थ भौमिक, झाड़ग्राम पर्यटन के संस्थापक और आईटीओ के सदस्य सुमित दत्ता समेत कई गणमान्य लोग उपरित्थि और पर्यटकों के बीच इसका प्रचार-

किशनगंज शहर के गांधीनगर मोहल्ले में भारी मात्रा में नकली कीटनाशक पाउडर बरामद

राहुल, दैनिक समाज जागरण

किशनगंज

जिला पदाधिकारी के निर्देश अनुसार अनुमंडल पदाधिकारी अमिताभ कुमार गुप्ता, किशनगंज सीओ समीर कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी गोतम कुमार जिला कृषि पदाधिकारी कृष्णानन्द चक्रवर्ती के मालिक ने किशनगंज मुख्यालय स्थित गांधीनगर मोहल्ला में राजेश साह के घर में छापेमारी अधियान चलाया गया। छापेमारी अधियान के दौरान भारी मात्रा में नकली कीटनाशक छिक्काव पाउडर बरामद किया गया। साथ ही घर पर मालिक राजेश साह को गिरफतार कर लिया गया। मिली जानकारी के अनुसार घर के मालिक ने बताया कि काई अनजान व्यक्ति

मेरे घर पर आया और वा पाउडर हम लोगों को दिया साथ ही पाउडर को पैक करने के लिए पैकेट भी दिया हम लोग पाउडर पैक करके उसे खाने की आदेश किया गया। इसी कड़ी में एक टीम बनाकर गांधीनगर मोहल्ले में जांच किया गया। जांच कीटनाशक पाउडर वरामद कीटनाशक पाउडर बरामद किया गया सभी नकली पाउडर को जाव कर लिया गया है। अभी पछताल बदले में हजार रुपए देकर चला जाता था इसके अलावा हम लोग कुछ नहीं जानते हैं। वही मैंकरे पर्याक को देते थे और उसे व्यक्ति बदले में हजार रुपए देकर चला जाता था इसके अलावा हम लोग कुछ नहीं जानते हैं। वही मैंकरे पर कर लिया गया है। अभी पछताल जारी है तथा इस धंधे में जो लोग भी शामिल हैं उन पर करी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।



ठाकुरगंज : विभिन्न क्षेत्रों से आए आशिक ए रसूल ने निकाली जुलूस ए मोहम्मदी हुजूर की आमद-मरहबा से गूंजा पौआखाली

पिंपुरु रंजन सिंह समाज जागरण विश्व संवाददाता पूर्णिया प्रमंडल मुसलमानों के अधिकारी नहीं हुजूर पाक मोहम्मद साहब (सललल्लाहू अलैहि वासल्लाम) के बीच पैदेशकर के दिन की याद में गुरुवार को किशनगंज जिले के ठाकुरगंज प्रखंड अंतर्गत नवगठित नगर पंचायत पौआखाली में जुलूस ए मोहम्मदी का आयोजन किया गया। जिसमें कई पंचायत के हुजूरों के अंतर्गत नवगठित नगर पंचायत पौआखाली में जुलूस ए मोहम्मदी का आयोजन किया गया। जिसमें कई पंचायत के हुजूरों के अंतर्गत नवगठित नगर पंचायत पौआखाली में जुलूस ए मोहम्मदी का आयोजन किया गया। जिसमें कई पंचायत के हुजूरों के अंतर्गत नवगठित नगर पंचायत पौआखाली में जुलूस ए मोहम्मदी का आयोजन किया गया। जिसमें कई पंचायत के हुजूरों के अंतर्गत नवगठित नगर पंचायत पौआखाली में जुलूस ए मोहम्मदी का आयोजन किया गया।



मध्य मंडाय एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

दैनिक समाज जागरण वीरेंद्र यादव जिला संवाददाता

औरंगाबाद (बिहार) 28 सितंबर औरंगाबाद जिले के देव प्रखंड के कुरका गांव में सिंधा फाउंडेशन के द्वारा भव्य भण्डारा और अंर रसिंह में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शासकीय मिश्रा ने बताया की भण्डारा में लगातार एक हजार लोगों ने भोजन किया। असासांके के हजारों लोग सन्ध्या में पहुंचे जहाँ ग्रामीणों में बाजार सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अपनी संगीतपूर्ण प्रस्तुति को धूम धूम कर डांस किया। दूसरे दिन भाजी वार्षी का आयोजन किया गया। असासांके के हजारों लोग सन्ध्या में पहुंचे जहाँ ग्रामीणों में आयोजित कार्यक्रमों के अपनी संगीतपूर्ण प्रस्तुति को धूम धूम कर बढ़ दिया गया।

समाजिकों की भाजी वार्षी के अंतर्गत लगातार 10 दिनों से पुजा पाठ एवं अन्य कार्यों में लगे लोगों को मंच पर बुलाकर

जुलूस में खाना दिया गया।

अकेले दो लोडर पर चढ़कर जुलूस में खाना दिया गया है। अभी जश्ने ईंट

में अकेले दो लोडर पर चढ़कर जुलूस में खाना दिया गया है।

अकेले दो लोडर पर चढ़कर जुलूस में खाना दिया गया है।

अकेले दो लोडर पर चढ़कर जुलूस में खाना दिया गया है।

अकेले दो लोडर पर चढ़कर जुलूस में खाना दिया गया है।

अकेले दो लोडर पर चढ़कर जुलूस में खाना दिया गया है।

अकेले दो लोडर पर चढ़कर जुलूस में खाना दिया गया है।

अकेले दो लोडर पर चढ़कर जुलूस में खाना दिया गया है।

अकेले दो लोडर पर चढ़कर जुलूस में खाना दिया गया है।

अकेले दो लोडर पर चढ़कर जुलूस में खाना दिया गया है।

अकेले दो लोडर पर चढ़कर जुलूस में खाना दिया गया है।

अकेले दो लोडर पर चढ़कर जुलूस में खाना दिया गया है।

अकेले दो लोडर पर चढ़कर जुलूस में खाना दिया गया है।

अकेले दो लोडर पर चढ़कर जुलूस में खाना दिया गया है।

अकेले दो लोडर पर चढ़कर जुलूस में खाना दिया गया है।

अकेले दो लोडर पर चढ़कर जुलूस में खाना दिया गया है।

अकेले दो लोडर पर चढ़कर जुलूस में खाना दिया गया है।

अकेले दो लोडर पर चढ़कर जुलूस में खाना दिया गया है।

अकेले दो लोडर पर चढ़कर जुलूस में खाना दिया गया है।

अकेले दो लोडर पर चढ़कर जुलूस में खाना दिया गया है।

अकेले दो लोडर पर चढ़कर जुलूस में खाना दिया गया है।

अकेले दो लोडर पर चढ़कर जुलूस में खाना दिया गया है।

अकेले दो लोडर पर चढ़कर जुलूस में खाना दिया गया है।

अकेले दो लोडर पर चढ़कर जुलूस में खाना दिया गया है।

अकेले दो लोडर पर चढ़कर जुलूस में खाना दिया गया है।

अकेले दो लोडर पर चढ़कर जुलूस में खाना दिया गया है।

अकेले दो लोडर पर चढ़कर जुलूस में खाना दिया गया है।

अकेले दो लोडर पर चढ़कर जुलूस में खाना दिया गया है।

अकेले दो लोडर पर चढ़कर जुलूस में खाना दिया गया है।

अकेले दो लोडर पर चढ़कर जुलूस में

एसटेट परीक्षा में गलत प्रश्नों पर संगीत के अध्यर्थियों ने दर्ज की आपति

दैनिक समाज जागरण

सतीश कुमार

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा गत 10 जुलाई को आयोजित शिक्षक पात्रों (एसटेट) परीक्षा में संगीत विषय के प्रश्न पत्र में बड़ी संख्या में प्रश्न व वैकल्पिक उत्तरों में त्रुट को लेकर संवैधित अध्यर्थियों ने अपनी आपति दर्ज कराई है। संगीत विषय के अध्यार्थियों के अनुसार प्रश्न पत्र में पद्धति से बोंस प्रश्न उत्तरों के बोंस प्रश्न हैं। जिसके कारण उन प्रश्नों को हल नहीं किया जा सका। संवैधित अध्यर्थियों ने कहा कि इन्हें बोंड पैने पर प्रश्नों



होने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्न पत्र में त्रुट आम बात है। यहाँ पत्रों को हटाकर उत्तर उपस्थिति की जगह कराने तथा सभी पत्र परीक्षाफल घोषित करने की मांग की है।

विद्यालय के खेल मैदान पर वियर फैक्ट्री का अपशिष्ट रख किया जा रहा अतिक्रमण

दैनिक समाज जागरण ब्लॉग वेद

प्रकाश यादव

भोजपुर जिले के चरोपेखी प्रखण्ड मुख्यालय स्थित उच्च माध्यमिक विद्यालय अमोरजा के खेल मैदान पर बोंडीबील वियर फैक्ट्री से निकले अपशिष्ट (राख) को रखकर जमीन को अतिक्रमित करने के प्रयास के किया जा रहा है। जिसके कारण विद्यालय के छात्र छात्राओं व स्थानीय लोगों में आक्रोश देखा जा रहा है। इसको लेकर ग्रामीणों की ओर से पत्रकार व अरटीआई कार्यकर्ता जमीनगल प्रसाद सिंह ने अंचलाधिकारी सहित अन्य अधिकारियों को पत्र लिखकर विद्यालय की जमीन का अधिगण रोकेने व विद्यालय की छात्र छात्राओं व स्थानीय लोगों में आक्रोश देखा जा रहा है।



भूमि का उपयोग खेल मैदान के रूप में होता आ रहा है। जिस पर विद्यालय के छात्र छात्राओं व खेलकूद, व्यायाम सहित अन्य शारीरिक व संगीत का उपयोग गजनीक व समाजिक संगठनों को जनसभा व तालिकाल कर्तव्य के ठीक बगल में समता उच्च माध्यमिक विद्यालय अमोरजा का लाभगम ढेंड एकड़ रक्का में खेल मैदान स्थित है। जिसमें खाता संख्या 16 अंतर्गत

।

जिला प्रशासन द्वारा विदाई सह समान समारोह आयोजित, डीएम धर्मेंद्र कुमार को दी गई भावभीनी विदाई

दैनिक समाज जागरण मनोज

कुमार रोहतास ब्लॉग

बिहार सरकार के सामाजिक प्रशासन विभाग ने एक अधिसचिन्ना सूचना जारी कर रोहतास जिलाधिकारी धर्मेंद्र कुमार का तबादला कर दिया है। श्वानांतर के बाद डीएम धर्मेंद्र कुमार अब नगर विकास एवं आवास विभाग के अपर सचिव के पद पर अपनी सेवा देंगे। जिसको लेकर रोहतास जिला प्रशासन द्वारा जिला अतिथि गृह में एक विदाई सह समान समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान जिले के कई वरियर एवं आयोजकर्ता ने डीएम धर्मेंद्र कुमार को पुष्प गुच्छ एवं अंगवक्त्र देकर समानित किया तथा अपने अपने अनुभव साझा किए। जिलाधिकारी धर्मेंद्र कुमार के साथ 2 साल 9 महीने के इस कार्यकाल में अपने खेड़ी मौठे अनुभवों को साझा करते हुए कई अंगवक्त्र एवं अंगवक्त्र देकर समानित किया गया।



में 2 साल 9 महीने का बिताया गया क्षण मात्र 10 मिनट में बयान नहीं किया जा सकता। हालांकि वह पल विकास आयुक्त शेखर अनंद, जिला वन पदाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, अपने जीवन के अन्य विदाई विदाई विकास आयुक्त रोदेंड कुमार, सदर एसडीओ अशुतोष रंजन, सदर एसपीओ तिलोप कुमार सहित जिले के सभी आता अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

जदयू जिला उपाध्यक्ष के निधन पर शोक समा आयोजित

दैनिक समाज जागरण

प्रतिनिधि सासाराम

शहर के प्रभाकर रोड स्थित जदयू जिला कार्यालय में गुरुवार को पार्टी के जिला उपाध्यक्ष मनोज गुरुा के आक्रियक निधन पर एक शोक प्रतियोगी ने जयनगर प्रखण्ड का कार्यकारी अध्यक्ष मनोज गुरुा के आयोजित किया गया। उन्हें जयनगर प्रखण्ड कार्यकारी अध्यक्ष मनोज गुरुा एक मृदु भाषी, कर्मठ और पार्टी के प्रति निष्ठावान कार्यकारी थे। जिनके निधन से पार्टी तथा समाज को आमता की आत्मा का गुरु रहे।



दुनिया से चले जाने के बाद भी वह अपने व्यक्तिकृत और व्यक्तिकृत की बदली वाले संघर्षों के दिलों में जिंदा रहते हैं। उनकी कमी हम सब के दिलों में जिंदा रहती है। हम परमपिता परमेश्वर से यह प्रार्थना करते हैं कि स्वर्गीय मनोज गुरुा की आत्मा का व्यक्ति किया तथा उन्हें द्रष्टव्यालय के लिए उपस्थिति दें।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

